हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

जनवीणा

WWW.JANVEENA.COM

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 36 | लखनऊ, 28 अगस्त, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं:सीएम योगी

लखनऊ (यूएनएस)। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के आईटी और सोशल मीडिया विभाग की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में सम्पन्न हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की मौजूदगी में हुई। कार्यशाला में भाजपा के 卐शंखनाद अभियान卐 का भी उद्घोष हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 卐शंखनाद अभियान卐 की कार्यशाला में भाजपा सोशल मीडिया टीम से आगामी लोकसभा चुनाव के लिए अभी से जुटने का आह्वान किया। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने के लिए विभिन्न ऑनलाइन माध्यमों का भरपूर उपयोग करने के लिए कई टिप्स दिये। उन्होंने कहा कि विरोधी दल के किसी भी झूठ का जवाब योजना के लाभार्थियों के जरिये दिलाएं। इससे न सिर्फविरोधियों के झूठ का पर्दाफाश होगा, बल्कि इससे उन्हें मुंहतोड़ जवाब भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर नकारात्मक सूचनाओं का सही समय पर जवाब देना जरूरी है।सही और तार्किक जवाब दें, भाषाई मर्यादा का भी विशेष ध्यान रखें। योजनाओं की जानकारी रखें। इस समय विरोधियों के पास कोई मुद्दा नहीं है। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पूरे विश्व में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। इस नये भारत की ताकत आज हर कोई महसूस कर रहा है। एक ओर हम आजादी के अमृत काल को मना रहे हैं तो वहीं भारत के सामर्थ्य का प्रदर्शन दुनिया भी देख रही है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में चल रही जन कल्याणकारी योजनाएं, फिर चाहे वो गरीब कल्याण को समर्पित हों, महिलाओं को समर्पित हों, उद्योग-धंधे के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के लिए हों, रोजगार के नये अवसर सृजन करने की दिशा में हुए अभूतपूर्व कार्य हों, खेल हो, देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा हो या फिर अंतरिक्ष में चंद्रयान-3 के जरिए हमारी ऊंची छलांग हो, ये सभी कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और उनके महान विजन को मिशन के रूप में लेते हुए क्रियान्वित करने से साकार हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का इन्फ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ आज हर किसी के लिए गौरव की बात हो चुकी है। बड़े-बड़े हाईवे, एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, वाटरवे और रेलवे एक बड़ा उदाहरण है, जहां हर तरफव्यापक पैमाने पर बदलाव नजर आ रहे हैं। हमें उपलब्धियों को देश और प्रदेश की जनता के बीच सकारात्मक भाव से ले जाना है। आज तकरीबन हर इंसान स्मार्टफोन यूजर है, जिसके पास देश और प्रदेश में हुए सकारात्मक बदलाव की सच्ची तस्वीर हर हाल में पहुंचनी ही चाहिए। इसके लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ज्यादा ताकतवर मंच और कोई नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने आईटी और सोशल मीडिया के सदस्यों को टीम भावना के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आईटी और सोशल मीडिया विभाग के सदस्य जोरदार तरीके से शंखनाद अभियान चलाएं और विरोधियों के हर कुचक्र और झूठ का पूरी ताकत के साथ जवाब दें, इसके लिए योजनाओं के लाभार्थियों से बात करें।

मल्लिकार्जुन खरगे का केसीआर पर बोला हमला

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने में बमुश्किल तीन महीने बचे हैं। ऐसे में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने बड़े-बड़े वादों के साथ मतदाताओं के विभिन्न वर्गों को लुभाने के अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। किसानों, युवाओं और सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों से कई वादे करने के बाद, पार्टी ने अब सत्ता में आने पर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए क्या-क्या योजनाएं हैं इसके बारे में बताया है। कांग्रेस पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार द्वारा लागू की जा रही कल्याणकारी योजनाओं के तहत विभिन्न वर्गों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से अधिक वित्तीय सहायता का वादा कर रही है। शनिवार शाम को चेवेल्ला में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा संबोधित एक सार्वजनिक बैठक में एससी, एसटी घोषणा का अनावरण किया गया। इससे जाहिर है कि पार्टी मतदाताओं को लुभाने के लिए हर

संभव प्रयास कर रही है। खड़गे ने कहा कि तेलंगाना के लिए बहुत लोग लड़े, ये राज्य का बनना सिर्फकिसी एक की देन नहीं है, किसी एक आदमी ने बलिदान नहीं किया, तेलंगाना के सभी लोग तेलंगाना के लिए लड़े हैं। पर एक व्यक्ति ऐसा समझ रहा है कि उन्होंने सब कुछ किया। जो वादा केसीआर ने किया, वो वादा तो पूरा निभाया नहीं, इसलिए हम चेवेल्ला एससी एसटी घोषणा के तहत 12 प्वाइंट एजेंडा लाए हैं। हमारी सरकार आते ही वो पूरे 12 प्वाइंट को लागू करेंगे। हमने कर्नाटक में 5 वादे किए थे। सिर्फ5 वादे नहीं किए, उनको अमल में ला रहे हैं और जो कांग्रेस कहती है, वो करके दिखाती है। अब हमारे वहां पर जो 5 वादे थे, एक-एक करके हम उसको निभा रहे हैं। केसीआर हमारी 26 पार्टियों वाले गठबंधन की एक मीटिंग के लिए नहीं आए। यहां तो अपने आप को धर्मनिरपेक्ष पार्टी बोलते हैं, लेकिन वहां भाजपा के साथ अंदर ही अंदर सांठगांठ करते हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार ने पिछले साल दलित बंधु योजना के तहत प्रत्येक एससी परिवार के लिए 10 लाख रुपये के वित्तीय अनुदान की घोषणा की थी।

नूंह हिंसा: जलाभिषेक यात्रा से पहले सुरक्षा बढ़ाई

गुरुग्राम। स्थानीय प्रशासन द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने के बावजूद सोमवार (28 अगस्त) को नूंह में जलाभिषेक यात्रा फिर से शुरू करने के हिंदू समूहों के आह्वान के मद्देनजर, पूरे नूंह में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। तीन से सात सितंबर तक नूंह में होने वाली जी20 शेरपा समूह की बैठक के मद्देनजर नूंह प्रशासन ने पहले ही यात्रा के आयोजकों को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अधिकारियों ने कहा कि भले ही यात्रा आयोजित करने की अनुमति नहीं दी गई है, लेकिन ऐसे इनपुट हैं कि कुछ संगठनों ने हरियाणा और पड़ोसी राज्यों के लोगों को 28 अगस्त को नूंह पहुंचने के लिए आमंत्रित किया है। उपायुक्त नूंह, धीरेंद्र खडगटा ने कहा, प्रस्तावित यात्रा के मद्देनजर नूंह पुलिस द्वारा सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एहतियात के तौर पर, नूंह में 26 अगस्त से 29 अगस्त तक इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। 28 अगस्त को सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और धारा 144 के विस्तार के साथ जिले में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसपी नूंह नरेंद्र बिजारनिया ने कहा, मस्जिदों के आसपास पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है, जबकि अर्धसैनिक बल झड़पों के बाद नूंह जिले में निगरानी रख रहे हैं। जिले में लगभग 700 हरियाणा पुलिस के जवान और 13 अर्धसैनिक बल की कंपनियां तैनात हैं। पुलिस बाहरी लोगों की आवाजाही पर नजर रखेगी। डीसी ने कहा, यात्रा की अनुमति देने से इनकार कर दिया गया है और किसी भी प्रकार की सभा की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सम्पादकीय

हिन्दू न मुसलमान पहले इंसान

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली संभाग के खुब्बुपुर गांव के एक प्राइमरी स्कूल के सात वर्षीय छात्र के साथ उसकी अध्यापिका ने जिस तरह का व्यवहार केवल इसलिए किया कि वह मुसलमान था, उससे न केवल पूरे भारत का सिर शर्म से झुक गया है बल्कि सम्पूर्ण शिक्षक समाज का रुतबा भी जमीन में गड़ गया है। अभी सितम्बर महीना आने वाला है और इसी महीने में भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति व महान दार्शनिक सर्वपल्ली डा. राधाकृष्णन का जन्म दिवस देश के हर स्कूल में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। जाहिर तौर पर इस बार के शिक्षक दिवस पर हर शिक्षक की गर्दन को झुका देने का काम खुब्बुपुर की शिक्षिका तृप्ता त्यागी ने अपने कारनामे से कर डाला है। मगर क्या यह सब अचानक हो गया है ? लोकतन्त्र में राजनीति जीवन के हर स्तर को भीतर तक प्रभावित करती है क्योंकि व्यक्ति व समाज के हर पहलू को प्रभावित करने वाले अन्तिम निर्णय नीचे से लेकर ऊपर तक राजनैतिक नेतृत्व द्वारा ही लिये जाते हैं। अत: राजनीति का जो चरित्र होगा वही ऊपर से लेकर नीचे तक समाज व लोगों को शीशे में उतारने में सक्षम होगा। इसलिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक गांव के प्राइमरी स्कूल की यह घटना बताती है कि आज के दौर की राजनीति ने आम लोगों के दिलों में घृणा या 'नफरत का फास्फोरस' किस कदर भर डाला है। हर बात में हिन्दू-मुसलमान की राजनीति ने सामान्य व्यक्ति की मानसिकता को इस तरह अपने चंगुल में ले लिया है कि विद्यालयों में जाने वाले आदमी की औलादों को भी उनका मजहब देखकर सजाएं दी जा रही हैं। लानत है ऐसे स्कूल पर और ऐसा स्कूल चलाने वालों पर जिन्होंने शिक्षा के संस्थानों को साम्प्रदायिकता का अड्डा बना डाला है। शिशु हृदय में शुरू से ही यह भरा जा रहा है कि मुसलमान माता-पिता के घर में पैदा होने की वजह से उसके साथ के दूसरे विद्यार्थी उसके साथ अलग तरह से व्यवहार करेंगे तथा उसे पहाड़ा याद न होने अथवा गणित में कमजोर होने की सजा कक्षा के सभी दूसरे छात्र पहले उसे थप्पड़ मार कर देंगे और जब उसका मुंह लाल हो जायेगा तो उसकी कमर पर मारेंगे। अपनी ही कक्षा के छात्रों से ऐसा कार्य कराने वाली अध्यापिका को सबसे पहले पुलिस प्रशासन को पकड़ कर जेल भेजा जाना चाहिए और उसके खिलाफफौजदारी सजा जाब्ता कानून की वे सभी दफाएं लगाई जानी चाहिएं जो साम्प्रदायिक द्वेष भड़काने व बच्चों को हिंसक बनाने से ताल्लुक रखती हों साथ ही राज्य सरकार को सबसे पहले प्राथमिक कार्रवाई करके उसे नेहा प्राथमिक स्कूल की मान्यता समाप्त करनी चाहिए जिसकी मालिक और संचालिका व मुख्य अध्यापिका तृप्ति त्यागी है। यह घटना सामान्य नहीं है क्योंकि स्वतन्त्र भारत के इतिहास में किसी प्राथमिक स्तर के विद्यालय में इस तरह की घटना पिछले 76 सालों में कहीं भी दर्ज नहीं हुई है। इसी से पता लग सकता है कि आज के भारत के समाज को राजनीति ने किस तरह नफरत की आग में झोंक डाला है और हम 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का राग अलापते फिर रहे हैं। जरा कोई पूछे कि क्या स्कूल का वह मुस्लिम छात्र खुदा के घर अर्जी देकर आया था कि या अल्लाह मुझे किसी मुसलमान के घर ही पैदा करना।क वह भारत के एक सम्मानित नागरिक के घर पैदा हुआ और इस नाते इस मुल्क की हर सुविधा पर भी उसका भी उतना ही अधिकार है जितना कि किसी हिन्दू के घर पैदा हुई औलाद का। किसी विद्यालय या स्कूल को उत्तर प्रदेश सरकार यह देख कर मान्यता नहीं देती है कि इसमें हिन्दुओं के बच्चे पढ़ाएंगे या मुसलमानों के बल्कि यह देख कर मान्यता देती है कि इसमें भारत के नागरिकों के बच्चे पढ़ेंगे। क्या जरूरी है कि किसी मुसलमान का बच्चा ही पढाई में कमजोर हो। पढ़ाई में कमजोर तो किसी हिन्दू का बच्चा भी हो सकता है। क्या उसमें फिर हम उसकी जाति को देखेंगे कि वह अगड़ी जाति का है या पिछड़ी जाति का शिक्षा का अधिकार भारत में किशोर वय तक मौलिक अधिकार बन चुका है। हर हिन्दू-मुसलमान बच्चे का हक है कि वह शिक्षा प्राप्त करे। मगर क्या कयामत है कि पहले तो शिक्षा के स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम के नाम पर मुनाफा कमाने की दुकानों में तब्दील कर दिया गया है और अब उनमें हिन्दू-मुसलमान का जहर भरा जा रहा है। इसका सीधा मतलब यही निकलता है कि हम हिन्दोस्तान की उस बुनियाद में ही दीमक लगा रहे हैं जिसे हमने 1947 में आजाद होने के बाद बड़ी मुश्किल से हिन्दू-मुस्लिम की संकीर्णता से बाहर इस हकीकत के बावजूद रखा था कि मजहब के आधार पर ही मुहम्मद अली जिन्ना ने पाकिस्तान बनवा लिया था। हमने भारत को ऐसे संविधान के तहत चलाने की कसम उठाई जिसमें हिन्दू-मुसलमान नहीं बल्कि 'भारत के लोग' थे । इन्हीं लोगों ने 75 वर्षों में भारत को चांद पर पहुंचा दिया मगर क्या सितम है कि हम अब प्राइमरी स्कूल में इन्हीं बच्चों को सिखा रहे हैं कि तुम हिन्दू और मुसलमान हो।

ब्रिक्स का बढ़ता कारवा और भारत

प्रेम शर्मा

ब्रिक्स में शामिल पांचों देश दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। हालांकि चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। दक्षिण अफ्रीका में जो ब्रिक्स का समिट हुआ, वह काफी सफल रहा है। भारत हमेशा से ही इसके विस्तार की बात करता रहा है। इसके लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कई बार कह चुके है कि भारत विस्तार के विरोध में नहीं है। भारत सिर्फ ये चाहता है कि विस्तार से जुड़े हर पहलू पर सदस्य देशों के बीच विचारों का आदान-प्रदान हो और सहमति बनने से पहले सबकी चिंताओं और कूटनीतिक पहलुओं को महत्व दिया जाए। ब्रिक्स के सदस्य विस्तार के मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं के साथ ही मार्गदर्शक सिद्धांतों को निर्धारित करने के लिए आपस में अलग-अलग तरीकों से बात कर रहे हैं।

विस्तार से कई पहलू जुड़े हैं। भारत का फोकस इस पर है। भारत का कहना है कि जो मौजूदा सदस्य है, उनके बीच के आपसी सहयोग को भी विस्तार के बारे में कोई भी सिद्धांत बनाने में सोचना होगा। एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है, इस समूह के देशों का गैर ब्रिक्स देशों को लेकर कैसा रवैया रहा है या जुड़ाव रहा है। ब्रिक्स के संभावित विस्तार के प्रारूप में किसी देश के निजी हितों को प्राथमिकता न मिले, भारत का मुख्य जोर इस पर है। भारत बस यहीं चाहता है कि विस्तार में किसी भी देश का व्यक्तिगत एजेंडा स्वीकार नहीं किया जाएगा और भारत की इस मंशा से विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले ही सदस्य देशों को अवगत करा चुके हैं। उस वक्त भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने भी स्पष्ट किया था कि विस्तार को लेकर जब तक कोई उपयोगी दस्तावेज या प्रक्रिया पर सर्वसम्मति नहीं बन जाती है, तब तक इस दिशा में आगे नहीं बढ़ जाएगा। जून में विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका ने कहा भी था कि सालाना शिखर सम्मेलन तक विस्तार से जुड़ी कोई प्रक्रिया या नीति तैयार हो जाती है, तो फिर उस पर विचार किया जाएगा। इस मसले पर ब्राजील भी भारत की बातों का पुरजोर समर्थन करते आया है। ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा कह चुके हैं कि ब्रिक्स ब्रांड बन चुका है और ये सदस्य देशों की एक बड़ी संपत्ति है। इस वजह से ब्राजील भी चाहता है कि संभावित विस्तार में इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए। विस्तार में किसी खास देश के सिर्फ इस वजह से शामिल नहीं किया जाए कि उस देश के साथ रूस या चीन के संबंध कितने गहरे हैं। भारत के साथ ही दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के लिए ये बड़ा मुद्दा है। हालियों सम्पन्न ब्रिक्स देशों के महासम्मलेन से यह सिद्ध हो गया कि ब्रिक्स के प्रति कई देशों का आकर्षण बढ़ा है। इसमें कोई दो राय नहीं है। चीन और रूस का ब्रिक्स के विस्तार पर काफी जोर है। ब्रिक्स प्लस की अवधारणा बहुत तेजी से विकसित हो रही है, चीन इस पहलू पर जोर दे रहा है। रूस का भी कहना है कि ये समूह बहुध्रुवीयता का प्रतीक बन चुका है और इसका प्रमाण ये हैं कि ज्यादा से ज्यादा देशों का आकर्षण ब्रिक्स के प्रति बढ़ रहा है। भारत का भी ये मानना है कि ब्रिक्स अब विकल्प नहीं रहा। ये समूह अब वैश्विक व्यवस्था में खासे महत्व रखता है। भारत भी यही मानता आया है कि ब्रिक्स समूह बहुध्रुवीयता का प्रतीक है। भारत का ये भी कहना है कि ब्रिक्स अब अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के कई तरीकों की अभिव्यक्ति भी करता है और वैश्विक एजेंडा पर नेतृत्व करने की भी क्षमता है। फिलहाल सिर्फ5 देशों के सदस्य होने के बावजूद ब्रिक्स देशों में दुनिया की 40 फीसदी से ज्यादा आबादी रहती है। लैंड एरिया कवरेज के हिसाब से इस समूह में दुनिया का करीब 27 फीसदी लैंड सरफेस आ जाता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में इन देशों का एक बड़ा हिस्सा है। ब्रिक्स देशों का हिस्सा वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में करीब 30 प्रतिशत है। ब्रिक्स की ताकत को बताने के लिए ये आंकड़े काफी हैं। जिस तरह से ब्रिक्स को लेकर बाकी मुल्कों में दिलचस्पी बढ़ते जा रही है, ये कहा जा सकता है कि ब्रिक्स समूह का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। जबकि एक दौर ऐसा भी आया था जब ब्रिक्स की प्रासंगिकता को लेकर सवाल उठने लगे थे। लेकिन पिछले दो साल में जिस तरह से कई देशों ने ब्रिक्स की सदस्यता को लेकर इच्छा जाहिर की है। कहा जा सकता है कि भविष्य में ब्रिक्स दुनिया का सबसे ताकतवर मंच बन सकता है। फिलहाल ब्रिक्स में शामिल सदस्य वो देश हैं जिनमें वैश्विक अर्थव्यवस्था में हलचल होने पर भी घरेलू अर्थव्यवस्था को संभालने और उसमें विकास की गति बनाए रखने की क्षमता और संभावनाएं भी है। साथ ही वैश्विक मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी संभालने की ताकत है। यही वजह है कि तमाम अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगले 3 दशक में ब्रिक्स के मौजूदा सदस्य देश दुनिया में कच्चे माल, उद्योग, विनिर्माण और सेवाओं के सबसे प्रमुख आपूर्तिकर्ता होंगे। भारत और चीन की स्थिति उद्योग, विनिर्माण और सेवाओं के आपूर्ति के मामले में काफी मजबूत है और भविष्य में इसमें और मजबूती आएगी। वहीं कच्चे माल को लेकर रूस और ब्राजील का भविष्य उज्ज्वल है। साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में आखिर इसके विस्तार का फैसला हो गया। फैसले के मुताबिक पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के इस संगठन में अगले साल 1 जनवरी को छह नए सदस्य- अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई- जुड़ जाएंगे। वैसे ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से हो रही है। 2009 में इस संगठन के अस्तित्व में आने के एक साल बाद यानी 2010 में ही इसमें साउथ अफ्रीका को जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही नए सदस्यों की एंट्री पर जब-तब चर्चा होती रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह मुद्दा काफी जोर पकड़ चुका था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। एक तो यह कि ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या बढ़ती चली गई। 22 देश इस मंच का हिस्सा बनने के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। 40 से ज्यादा देश इसकी इच्छा जता चुके हैं। हालांकि चीन सरकार नियंत्रित मीडिया ने कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी लगा दिया कि वे नहीं चाहते विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री समय समय पर इसका सीधा जबाव वैश्विक स्तर पर दे चुके है।

खेत-खलिहान से

डा. के.के.पाठक, कृषि वैज्ञानिक

विगत कई अंकों से क्रमशः विभिन्न प्रकार के सागों का विवरण प्रकाशित हो रहा है। श्रृंखला में अब आगे...

करामुआ साग :

करामुआ साग को कर्मी साग, नारी साग, कलम्बी साग जैसे कई नामों से जाना जाता है। इसमें अनेक तरह के पोषक तत्व पाये जाते हैं जो शरीर के लिए लाभदायक हैं। बिटामिन ए, बिटामिन सी, प्रोटीन, आयरन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्सियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम, फाईबर, फासफोरस, जिंक जैसे तत्व की प्रधानता इसमें पायी गयी है। करामुआ में एंटीआक्सीडेंट पाया जाता है जिससे कोलेस्ट्राल नियन्त्रित रहता है और हृदय स्वस्थ। आंखों की रोशनी, आँख से पानी गिरना, आँख का दर्द जैसी समस्या को दूर करने के लिये करामुआ के साग का सेवन लाभकारी पाया गया है। आयरन की अधिकता होने के कारण यह शरीर में खून की कमी को पूरा करता है, आक्सीजन की वृद्धि होती है परिणामस्वरुप हीमोग्लोबिन बढ़ जाता है और शरीर में रक्त का संचार सुचारू रूप से होने लगता है। फाईबर अधिक होने के कारण पेट भरा भरा सा रहता है जिससे भूख कम लगती है और मोटापा घटाने में मदद मिलती है। करामुआ साग में एंटीडायबेटिक गुण पाया जाता है जो एन्सुलीन के स्राव को नियन्त्रित करता है और मधुमेह के रोगियों के लिये बहुत ही लाभकारी है। नियमित सेवन से मधुमेह रोग नही होता और शरीर स्वस्थ रहता है । पाचन के लिये कारेमुआ साग रामबाण है। इसमें कुछ ऐसे तत्व पाये जाते हैं जो हमारी पाचन क्रिया को ठीक रखने में मदद करते हैं। जिसे कब्ज व गैस की समस्या बनी रहती है उसे इसके सेवन की सलाह दी जाती है। शरीर में प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है और कई बीमारियों से निजात मिलता है। यदि कारेमुआ साग का नियमित सेवन करते रहें तो काया निरोग रहेगी।

पोई साग :

पोई साग खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसे साग के रुप में या दाल में डाल कर खाया जाता है। इसमें पोषक तत्वों का भंडार है, इसके सेवन से दिल, दिमाग और शरीर स्वस्थ रहता है। पोई साग में बिटामिन ए, बिटामिन बी-12 और बिटामिन सी की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इसमें आयरन, कैल्सियम, मैगजीन, फास्फोरस, पोटैशियम जैसे तत्व भी विद्यमान हैं। इसके खाने से सर्दी, खाँसी, जुकाम से छुटकारा मिलता है। शरीर की इम्यूनिटी बूस्ट होती है, साथ ही ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है। त्वचा रोग की सम्भावना नगण्य हो जाती है। इसमें पाये जाने वाला फोलेट गर्भवती महिलाओं के लिये अत्यंत लाभकारी है। हार्ट अटैक और स्ट्रोक की सम्भावना खत्म हो जाती है। डिप्रेशन व तनाव जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है। बिटामिन ए के कारण आंखों की परेशानी दूर होती है। मैग्नीशियम पाये जाने के कारण नींद अच्छी आती है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। इसी के साथ कैल्शियम से हड्डियां मजबूत रहती हैं।

सोमेश्वरधाम में शिव महारुद्राभिषेक का भव्य आयोजन सम्पन्न

कानपुर (यूएनएस)। पनकी में स्थित श्री सोमेश्वर महादेव धाम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाबा भोले नाथ की कृपा से श्री सोमेश्वर शिव सेवा मंडल के तत्वावधान में 21 यजमानों ने समलित होकर शिव महारुद्राभिषेक का विशाल आयोजन किया। जिसमें प्रधान आचार्य पंडित शिवम कृष्ण के द्वारा वैदिक विधि विधान के अंतर्गत वेद मंत्रों के द्वारा रूद्राभिषेक व शिवार्चन कर दिव्य श्रृंगार कराया किया गया। कार्यक्रम के बाद सुंदर सुंदर भजनों का भक्तों ने आनंद लिया। दिव्य भजनों व बम बम के जय कारों से गूंज उठा। सोमेशवर धाम सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर सोमेश्वर धाम की महिमा गाई इस कार्यक्रम के शुभ अवसर पर सोमेश्वर शिव सेवा मंडल से जुड़े , पं ऋषभ शुक्ल,पं मोहन पांडेय,पं आशीष अवस्थी, पं अनुभव द्विवेदी,पं दिलीप मिश्र,पं कुलदीप तिवारी, सुमित, कौशल, सोनू, अर्पित, भानु, कृष्णा शुक्ला आचार्यगण व अन्य कार्यकर्ता मौजद रहे।

नवोदय विद्यालय में एडमिशन के लिए आवेदन अब 31 अगस्त तक

कानपुर देहात (यूएनएस)। नवोदय विद्यालय समिति ने कक्षा 6 में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को एक बार फिर आगे बढ़ा दिया है। इसके तहत अब पैरेंट्स 31 अगस्त 2023 तक इस कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। अब ऐसे में जो भी इच्छुक अभिभाावक किसी कारणवश अपने बच्चे का एडमिशन फॉर्म नहीं भर पाए थे वे अब ऐसा कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा। बतादें कि जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में कक्षा 6 में दाखिला के लिए आवेदन करने की लास्ट डेट पहले 10 अगस्त थी जिसे बढ़ाकर 17 अगस्त किया गया है। इसके बाद एनवीएस ने इसे आगे बढ़ाकर 25 अगस्त किया था। वहीं अब एक बार फिर आवेदन करने की अंतिम तिथि को 31 अगस्त 2023 तक के लिए बढ़ाया गया है। अब इस मौके को इच्छुक अभिभावक हाथ से न जाने दें और फटाफट आवेदन प्रक्रिया को पूरा कर लें। इस बाबत बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धी पाण्डेय ने समस्त शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वह अपने-अपने विकासखंड से कम से कम 500-500 छात्र छात्राओं का पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें। आदेश में स्पष्ट किया है कि बीईओ विकासखंड के संबंधित प्रधानाध्यापकों एवं प्रभारी प्रधानाध्यापकों को अपने अनुसार निर्देशित करें कि वह ग्राम प्रधानों एवं अभिभावकों को जवाहर नवोदय विद्यालय जलालपुर नागिन में अधिक से अधिक अभ्यर्थियों का प्रवेश कराएं।

मां की गोद

क़लम में तुम्हारी जो ताक़त नहीं है,
तो लिखने की कोई ज़रूरत नहीं है।

उठो अब ज़माने को कुछ कर दिखाओ,
कि सोने का अब यह महूरत नहीं है।

रहो हार बनकर गुलिस्तां में यारों,
किसी में कुचलने की हिम्मत नहीं है।

बहुत प्यार करते हैं या रब इसे हम,
अपना वतन है यह गुरबत नहीं है।

एक मां की गोदी से बढ़कर जहां में,
कोई दूसरी और जन्नत नहीं है।

तेरी आन पर जान कुर्बान कर दें,
हक़ीकत है यह कोई उलफ़त नहीं है।

चलो अब जहां की दिशा को बदल दें,
चुप रहके सहना शराफ़त नहीं है।

तीसरी आंख शंकर की ग'खुल गई तो,
आंख दिखलाने वालों की खैरियत नहीं है।

कनक वर्मा
सचिव, ज्योति कलश संस्कृति संस्थान, लखनऊ
सम्पर्क = 9140998572

आधी सदी पीछे

पहले जैसी होती थी,
अब,
वैसी नहीं होती,
सच तो यह है,
न वो सपने में ही आती है,
न ही,
उसकी कल्पना कर पाता हूं।
बहुत वर्षों तक,
दिखता रहा नवजात सूरज,
फिर,
वह दिखने लगा,
जैसे बड़ा हो गया हो,
दोमंजिला बनी एक इमारत ने,
नवजात सूरज को,
मेरे लिए,
एक उम्र वाला सूरज बना दिया।
अब वह,
कुछ और वयस्क होने के बाद ही,
दिखता है,
इमारत,
और दोमंजिल चढ़ गई है।
उम्मीद के बाहर,
नवजात सूरज तो नहीं दिखा,
सुनाई दी सुबह-सुबह,
मुर्गे की बांग।
मैं,
आधी सदी पीछे चला गया,
मोटर नहीं थी,
चमकती सड़क भी नहीं,
धूल भरी पगडंडी पर,
सायकिल के साथ,
लेकिन,
मैं यहीं रहना चाहता हूं।

राजेन्द्र ओझा
पहाड़ी तालाब के सामने
निकट-बंजारी मंदिर, वामनराव लाखे वार्ड, कुशालपुर, रायपुर (छत्तीसगढ़), पिन-492001

अवधी कविता न मांगेन कुछ

भैय्या हम तुहंसे यक बचन
अबकी राखी पय मांगित है
मांगेन न आज तलुक कुछहू
जन्मै से राखी बान्हित है ,

यक से राखी बंधवायि केरि
सौ बहिन कै पहरेदार बनव
इ आज करव वादा हमसे
हर नारी कय रखवार बनव
मानव तु सबका बहिन मेरि
जयिसय हम भैय्या मानित है
मांगेन न आज.....

दुख दर्द से हम सब लडि लेई
हंस कय हर अत्याचार सही
लोगन के बुरी नजरिया अउ
अब जुलुम अतिक कय बार सही

घूयिरै लागत ही आंख हमैं
जैसै हम चउखट नाघित है
मांगेन न आज.....

दुनिया मा बहिन अकेली कय
बस यक भरोसा भायी है
डोरी न यहिका समझ लिहौ
हमरी साथे परछायी है
तु जागत हौ तब सोइत है
निहिचिन्ते अचरा तानित है
मांगेन न आज तलुक कुछउ
जन्मै से राखी बान्हित है ...!!

संजय श्रीवास्तव अवधी
मनकापुर, गोण्डा
सम्पर्क : 8437132897

ओमर वैश्य क्षेत्रीय समिति ने मनायी हरियाली तीज

लखनऊ। ओमर-ऊमर वैश्य क्षेत्रीय समिति लखनऊ द्वारा गत 27 अगस्त को नाका हिंडोला स्थित एक होटल में आयोजित हरियाली तीज कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, तीज क्वीन, नृत्य व कजरी गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं। राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजुला गुप्ता, संरक्षिका मदालसा गुप्ता, पूनम गुप्ता, माया गुप्ता, मीरा गुप्ता, शांति गुप्ता आदि की विशिष्ट उपस्थिति में उपस्थित जनों ने चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाया व वैज्ञानिकों को बधाई दी। कार्यक्रम में समाज की अध्यक्ष सुनीता गुप्ता, महामंत्री लता गुप्ता, कोषाध्यक्ष शालिनी गुप्ता, मीडिया प्रभारी रतिका गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

मेरी माटी, मेरा देश अभियान के अंतर्गत सरस्वती समारोह में हुआ

लखनऊ (यूएनएस)। सरस्वती संगीत अकादमी की ओर से रविवार 27 अगस्त 2023 को नाद यज्ञ और अमृत महोत्सव-सम्मान समारोह का आयोजन गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी उत्तर प्रदेश के संत गाडगे ऑडिटोरियम में किया गया। मेरी माटी, मेरा देश अभियान के अंतर्गत आयोजन इस शाम में नृत्य गायन वादन की दिलकश प्रस्तुतियां हुईं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के पूर्व विधि परामर्शी एस.एस.उपाध्याय द्वारा लिखित पुस्तक हिन्दुत्व एण्ड द्यौ लेन्जेज का विमोचन भी किया गया।

इस समारोह में मुख्य अतिथि पद्मश्री विद्या बिन्दु सिंह, संस्था के प्रबंध निदेशक डॉ. श्रीकांत शुक्ला और विभागाध्यक्ष नृत्य संकाय विभागाध्यक्ष आरती शुक्ला की उपस्थिति में पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया, भातखंडे संगीत सम-विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ.पूर्णिमा पाण्डेय, सरस्वती डेण्डल कॉलेज के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ.रजत माथुर, लखनऊ दूरदर्शन के पूर्व अपर महानिदेशक डॉ.सतीश कुमार ग्रोवर, बाबासाहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय-राजनीति शास्त्र विभाग के प्रो.शशिकान्त पाण्डेय, संस्कार भारती उत्तर प्रदेश के महामंत्री नरेश अग्रवाल, वरिष्ठ तबला वादक पं.शीतल प्रसाद मिश्र, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की पूर्व एसोसिएट प्रो.ऊषा रानी बनर्जी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राज्यपाल के पूर्व विधि परामर्शी एस.एस. उपाध्याय ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप्र प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी की निदेशक आईएएस नीना शर्मा, डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.जे.पी. पाण्डेय, क्षेत्रीय ललित कला अकादमी अलीगंज के सचिव डॉ.देवेन्द्र त्रिपाठी, ओ.पी. शाह, मयंक पंत, निदेशक, शाह एण्ड पंत कन्सल्टिंग इंजीनियर्स के निदेशक ओ.पी.शाह और मयंक पंत और संस्था के अध्यक्ष डॉ.श्याम बिहारी शुक्ला और उपाध्यक्ष इन्दू शुक्ला मौजूद रही। सांस्कृतिक समारोह की शुरुआत परंपरा के अनुसार ज्ञान की देवी सरस्वती वंदना पेश की गई। लोविता हलोई द्वारा तैयार इस प्रस्तुति में आशीष, रेनू तिवारी, व्याखा, रितु गोयल, कियान गोयल ने भाग लिया। इस क्रम में हुई तबला वादन प्रस्तुति में शुभ भटनागर, रुद्राक्ष शुक्ला, अभिषेक रावत, अथर्व गोयल, आयुष्मान त्रिपाठी, ऋषभ डे ने प्रभावी वादन कर सबका दिल जीत लिया। उसके बाद सारे जहां से अच्छा प्रस्तुति में रुद्राक्ष शुक्ल, खुशी शर्मा, मौलिक तोमर, अर्चित, अरनव और नागेंद्र हराय त्रिलोचनाय समूह नृत्य में अक्षरा तिवारी, हर्षिता रजनीश, श्रुति शर्मा, मुस्कान मिश्रा, अदिति जैन, इशिता सिंह, भव्या झा, अनिका गोस्वामी, श्रीशा रघुवंशी, अक्षिता सिंह, ऐशानी सिंह ने मनभावन प्रस्तुति दी। घर परिवारों में मांगलिक कार्यों के दौरान आम सुनायी देने वाले घरेलू वाद्य ढोलक की सामूहिक प्रस्तुति ने भी तालियां बटोरीं। उसमें अभिलाषा पांडे, भावना श्रीवास्तव, प्रमिला मिश्रा, योगेन्द्र, शुभ भटनागर, अभिषेक रावत ने वादन किया। श्री राम चंद्र कृपालु भजमन भजन पर दीपांशी तिवारी, आराध्या श्रीवास्तव, अरुन्या मिश्रा, अथिवा, यशस्विका, आदिरा, नाएशा, निशा, वेदांशी, इशिका ने

ऐसा सुंदर नृत्य किया कि लोग प्रभु भक्ति में लीन हो गए।

महिलाएं देश के समक्ष देती रहेंगी अपनी श्रेष्ठता का परिचय:गीता शाक्य

लखनऊ (यूएनएस)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने आज मध्य विधानसभा, मध्य मंडल व बूथ संख्या 13 पर प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा व सांसद राज्यसभा गीता शाक्य के नेतृत्व में मन की बात कार्यक्रम के 104 वे संस्करण का प्रसारण किया। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए इसरो की महिला साइंटिस्ट व चंद्रयान की सफलता में महिलाओं की भूमिका को बढ़ावा देते हुए आभार व्यक्त किया। बनारस डेरी गुजरात में महिला उद्यमिता के लिए व कम समय में तकनीक के माध्यम से उद्योग को बढ़ावा देकर उत्तम संदेश दिया गया विषय पर चर्चा की।

चीन में इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी गेम में महिला खिलाड़ियों की भूमिका और सफलता प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त करने के लिए खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया गया।

जी 20 में भारत का प्रतिनिधित्व वा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मेघालय के बस ,हिमालय दर्शन से लेकर के समुद्र के सौंदर्य तक का व्याख्यान किया गया। प्रधानमंत्री ने चीन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी गेम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों से बात की जिन्होंने कड़ी मेहनत करके देश का नाम ऊंचा करने के लिए उनका आभार व्यक्त कर उनका प्रोत्साहन किया। गीता शाक्य ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए सदैव महिलाओं के हित के लिए चिंतन करने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा की महिलाएं समय-समय पर अपनी कार्यशैली वा क्षमताओं के माध्यम से देश के समक्ष अपनी श्रेष्ठता का परिचय देती रहेंगी। कार्यक्रम का संयोजन महानगर लखनऊ की अध्यक्ष सीता नेगी व नगर मंत्री अंशु मिश्रा द्वारा किया गया।

अमेरिका, रूस और चीन के आपसी टकराव

संजीव ठाकुर

अमेरिका ने चीन और ताइवान के संबंधों को लेकर ताइवान का खुलकर साथ देने की बात कही जिससे चीन ने आक्रामक होकर इसे अपने अंदरूनी मामलों में हस्तक्षेप कहां है और कहा है कि यदि हमारे अंदरूनी मामले में कोई हस्तक्षेप करेगा तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरी तरफयूक्रेन को लेकर रूस अब बहुत संवेदनशील और आक्रामक हो गया हैस यूक्रेन से रूस ने अब निर्णायक पारी खेलने का मन बना लिया हैस इस तरह अमेरिका यूक्रेन तथा ताइवान को साथ देने के चक्कर में रूस और चीन से सीधा-सीधा टकराने के मूड में आ गया है। यह अलग मुद्दा है की सांडो की लड़ाई में खेतों की मेड़ बरबाद जरूर होती हैं। इन तीनों महा बलियों की लड़ाई में अन्य पड़ोसी देशों की शांती भंग हो सकती है।

दूसरी तरफ अमेरिकी प्रशासन पूरी तरह से यूक्रेन का साथ देने की कटिबद्ध है, एवं पूर्वी यूरोप में अमेरिकी राष्ट्रपति एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में रुस पर दबाव डालने के लिए सैन्य बल भेजने की बात कही हैस अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रेस वार्ता के हवाले अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस ने सीमा के आसपास बड़ी संख्या में सैन्य जमवाड़ा कर चुका है, एवं रूसी बलों को तैनात किया हैस जबकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास अन्य सैन्य बल तथा बातचीत के जरिए का विकल्प भी मौजूद हैस वर्तमान की परिस्थितियों में यूक्रेन की सीमा पर लगातार तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के राष्ट्रपति से कहा कि रूस फरवरी या मार्च के प्रथम सप्ताह तक बड़ा हमला कर सकता हैस व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता एमिली होर्न ने बताया की अमेरिकी राष्ट्रपति ने आशंका जताई है कि रूस फरवरी में यूक्रेन पर सैन्य आक्रमण कर सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री लाएड ऑस्टिन ने कहा कि हमारा मानना है कि यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का यह अंतिम फैसला नहीं है, जबकि उनके पास कई विकल्प खुले हुए हैं। यूक्रेन पर हमला करने की निसंदेह रूस के पास संपूर्ण क्षमताएं हैं। अमरीकी प्रशासन राष्ट्रपति रक्षा मंत्री ने पुतिन से यूक्रेन पर तनाव कम करने की अपील भी की है। रूस ने कहा है कि वार्ता के द्वारा भी खुले हुए यदि यूक्रेन अपनी हठधर्मिता से पीछे हटता है तो रूस वार्ता के माध्यम से एक मध्य मार्ग के बारे में विचार कर सकता है। पर यूक्रेन अपनी तीनों शर्तों पर अड़ा हुआ वह क्रीमिया महाद्वीप को वापस लेना चाहता है और नाटो की सदस्यता भी चाहता है, रूस द्वारा पाइप लाइन बिछाकर उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर करना चाहता हैं जिसे वह कभी बर्दाश्त करने की स्थिति में नहीं रहेगा। स्पष्ट है कि इस मामले में अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देश यूक्रेन के साथ साथ कंधे से कंधा मिलाकर सैन्य बल की मदद करने को तैयार है। रूस के पास अब सैन्य बलों द्वारा यूक्रेन पर चढ़ाई करने के अलावा कोई मार्ग शेष नहीं रह जाता है।

ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति की यह आशंका कि रूस यूक्रेन पर फरवरी एवं मार्च के प्रथम सप्ताह में बड़ा हमला कर सकता है निर्मूल नहीं है। अमेरिका ने निर्णय लिया है कि वह पूर्वी यूरोप के सीमा पर एक बड़ा सैन्य बल रूस को टक्कर देने के लिए भेजेगा ।संभवत यह रूस पर दबाव डालने के लिए एक कूटनीतिक घोषणा एवं चाल हो सकती है।

कुल मिलाकर यूक्रेन की सीमा पर जिस तरह से सैनिकों का जमवाड़ा इकट्ठा हो गया है, उससे जंग की आशंकाएं बढ़ गई हैं। अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफके आर्मी जनरल मार्क मिले ने यूक्रेन के निकट तैनात रूसी सेना गंभीर तस्वीर पेश की है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन की सीमा पर उसने जमीन, वायु, जल क्षेत्र में बलों की तैनाती कर दी है, साथ ही रूस के पास साइबर तथा इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की क्षमताएं भी हैं। इसके अलावा उसके पास विशेष अभियान दल भी हैं। मिले के अनुसार यह अत्यंत चिंताजनक एवं विचारणीय प्रश्न है कि इसके पूर्व रूस की इतनी लंबी चौड़ी सेना की तैनाती कभी भी यूक्रेन की सीमा पर नहीं देखी गई है। इसका मतलब सीधा और साफ है कि रूस युद्ध के प्रति एकदम गंभीर है एवं यूक्रेन को सबक सिखाना चाहता है। पर इसे वैज्ञानिक विश्लेषक अधिनायकवाद इस प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाला बताते हैं, जिससे विश्व युद्ध की आशंका को बढ़ावा मिल सकता है, और विश्व युद्ध होता है तो बहुत बड़ा विनाशकारी युद्ध होने की पूरी संभावना है। मिले ने पुतिन से संघर्ष के बदले कूटनीतिक मार्ग अपनाने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास एक लाख से ज्यादा सैनिक तथा जमीन से जमीन मारक क्षमता वाले टैंक तथा लड़ाकू हवाई जहाज तैनात करके रखे हैं। ऐसे में यूक्रेन जैसे छोटे देश के पास अमेरिका ब्रिटेन एवं अन्य यूरोपीय देश और नाटो देश के सदस्यों से सैन्य दल लेने के अलावा कोई और रास्ता शेष नहीं बचा है। यह तो तय है कि अमेरिका यूक्रेन की मदद करने के लिए कटिबद्ध है पर बदली हुई परिस्थितियों में यूक्रेन का साथ देने के लिए कहीं अमेरिका अलग-अलग ना पड़ जाए, इसके अलावा उसने चीन को इस मामले में दखल नहीं देने चेतावनी भी दी है। फिलहाल चीन ताइवान मामले में अमेरिका के सीधा सामने है। क्योंकि अमेरिका ताइवान को भी मदद करने का वादा कर चुका है, ऐसे में अमेरिका को कई तरफ अपनी सेनाएं भेजने का काम करना होगा। कुल मिलाकर यूक्रेन, रूस, चीन, ताइवान को लेकर वैश्विक स्तर पर अशांति का माहौल बना हुआ है। कूटनीतिक बातचीत कर इसका हल निकाल कर वैश्विक शांति का संदेश देना चाहिए।

किसानों के बेटों का धमाल

वर्ल्ड एथलैटिक्स चौम्पियनशिप में भारतीय गोल्डन ब्वाय नीरज चोपड़ा ने तो अपने अभियान का आगाज जोरदार ढंग से करते हुए पहले ही प्रयास में 88.77 मीटर की दूरी तय कर फाइनल में प्रवेश करघ् लिया। भाला फैंक में यह उनका सीजन का सर्वश्रेष्ठ और करियर का तीसरा बेस्ट थ्रो रहा। उनके साथ-साथ भारत के अन्य भाला फैंक एथलीट मनु बीपी ग्रुप ए में दूसरे प्रयास के बेस्ट थ्रो 81.31 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जबकि तीसरे एथलीट किशोर जेना ने 80.55 के बेस्ट थ्रो के बाद फाइनल में जगह बना ली। भारत के तीनों एथलीटों का एक साथ फाइनल में पहुंचना अपने आप में एक उपलब्धि है। नीरज चोपड़ा ने इसके साथ ही पैरिस ओलिम्पिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। भाला फैंक प्राचीन काल में अस्तित्व में है। पहले लोग शिकार आदि के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल किया करते थे लेकिन इसकी लोकप्रियता ने इसे एक अन्तर्राष्ट्रीय खेल के रूप में परिवर्तित कर दिया। आज जैवलिन थ्रो के नाम से इस खेल को ख्याति प्राप्त है। भाला फैंक पुरुष इवैंट डिकेथलॉन कहा जाता है, जबकि महिला इवैंट को हैप्टथलॉन कहा जाता है। भारत में भाला फैंक में नीरज चोपड़ा के विश्व नम्बर वन खिलाड़ी बनने के बाद देश के कई युवा इस खेल की ओर आकर्षित हुए। नीरज चोपड़ा ने टोकियो ओलिम्पिक्स 2021 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए जैवलिन थ्रो के फाइनल में स्वर्ण पदक जीतकर धमाल कर दिया था। इसके बाद नीरज ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। भारत ने 121 साल पहले एथलैटिक्स में पहला पदक जीता था। इसके बाद नीरज चोपड़ा ने एथलैटिक्स में स्वर्ण पदक जीत कर इतिहास में अपना नाम दर्ज किया, इसे संयोग मानिये या कुछ और। विश्व चौम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले तीनों ही एथलीट किसानों के बेटे हैं। नीरज चोपड़ा हरियाणा के चावल किसान के बेटे हैं। किशोर जेना ओडिशा के कॉफी की खेती करने वाले किसान के बेटे हैं। जबकि मनु बीपी भी कर्नाटक के कॉफी उत्पादक किसान के बेटे हैं। किशोर जेना और मनु बीपी का अब तक का जीवन खेतों में ही व्यतीत हुआ। उनकी सफलता का सफ नीरज की उपलब्धि के बाद ही शुरू हुआ। किशोर जेना ने संकल्प लिया था कि अगर नीरज ऐसा कर सकता है तो वैसा मैं भी कर सकता हूं। 2017 में उसने 72 मीटर का आंकड़ा छूलिया। सितम्बर 2021 में उसने पहली बार 76 मीटर को छुआ। फिर उसे राष्ट्रीय शिविर में जगह मिली। फिर कोच ने उनके साथ अथक परिश्रम किया और उसके प्रदर्शन में लगातार सुधार होता रहा। उसका उत्थान नहीं रुका क्योंकि उन्होंने इस साल पहले आयोजन में फिर से अपना प्रदर्शन बेहतर किया। जब उन्होंने 1 मार्च को बेल्लारी में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता में 78.93 मीटर थ्रो किया। 19 दिन बाद, उन्होंने 80 मीटर की आंकड़ा तोड़ दिया जब उन्होंने त्रिवेन्द्रम में 81.05 मीटर इंडियन ग्रां प्री फेंकी।

मुंबई बैठक में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला तय होगा: नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी गुट इंडिया का सीट बंटवारे का फॉर्मूला मुंबई में तय किया जाएगा। सीएम नीतीश कुमार ने पटना में लोहिया पथ चक्र का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि पद हासिल करने की मेरी कोई निजी महत्वाकांक्षा नहीं है। मैं बस सभी विपक्षी दलों को एकजुट करना चाहता हूं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि मुंबई में कुछ और पार्टियां हमारे साथ जुड़ेंगी। बैठक में यह भी तय होगा कि कौन कहां से चुनाव लड़ेगा। मुंबई मीटिंग में हर बात फाइनल हो जाएगी। मुंबई में बैठक 31 अगस्त और 1 सितंबर को निर्धारित है।

गौवंशीय पशुओं में नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि हेतु संचालित नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना

कानपुर देहात (यूएनएस)। जिलाधिकारी नेहा जैन ने बताया कि ष्नन्द बाबा दुग्ध मिशनष् के अन्तर्गत गौवंशीय पशुओं में नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि हेतुष्नन्दिनी कृषक समृद्धि योजनाष् सरकार द्वारा प्रदेश के दस मण्डल मुख्यालयों के जनपदो अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज लखनऊ, कानपुर, झांसी, मेरठ, आगरा एवं बरेली में संचालित की जायेगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में उच्च उत्पादन क्षमता के गोवंश का संवर्धन, पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी।प्रदेश में पशुपालकों के लिए उच्च उत्पादन क्षमता के गोवंश की उपलब्धता सुनिश्चित करना। रोजगार के अवसर प्रदान करना। पशुपालकों की आय को बढ़ाना। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में प्रदेश में 25 दुधारू गाय की 35 इकाईयां स्थापित की जायेंगी। 10 दुधारू गायों में साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातीरी प्रजाति की गाये ही सम्मिलित की जायेगी। परन्तु गंगातीरी नस्ल के गोपाली इकाईयों में अधिकतम पांच गंगातीरी गोवंश अनुमन्य होंगे। परियोजना के दो विकल्प होंगे। (क) लागत रु. 62,50,000 साहीवाल अथवा गिर अथया थारपारकर नस्ल के 25 गोवंश हेतु रु.100000 प्रति गोवंश के आधार पर आगणन किया जायेगा। (ख) लागत रु.61,00,000 साहीवाल अथवा गिर अथवा थारपारकर नस्ल के 20 गोवंश के साथ- साथ गंगातीरी नस्ल के अधिकतम 5 गोवा गंगातीरी गोवंश क्रय का मूल्य रु. 70,000 प्रतिगोवंश के आधार पर आगणित किया जाएगा तथा साहीवाल अथवा गिर अथवा थारपारकर नस्ल की गायों का आगणन रु.100000 प्रतिगोवंश के आधार पर किया जायेगा।कुल अनुदान परियोजना लागत का 50 प्रतिशत देय होगा।(क) रु. 31,25,000 (साहीवाल अथवा गिर अथवा थारपारकर नस्ल के 25 गोवंश इकाई के लिए। (ख) रु.30,50,000 (सायास अथवा गिर अथवा धारपारकर नस्ल के 20 गौवंश के साथ-साथ5 गंगातीरी नस्ल की गाय हेतु। लाभार्थी की पात्रता-लाभार्थी स्थानीय निवासी होना चाहिए।लाभार्थी का आधार कार्ड अथवा पहचान पत्र होना चाहिए। गोपालन अथया महिष पालन का कम से कम तीन वर्षों का अनुभव होना चाहिए तथा इसका प्रमाण सम्बन्धित मुख्य पशु चिकित्साधिकारी द्वारा दिया गया हो। इकाई स्थापना हेतु लगभग 0.5 एकड़ भूमि आवश्यक होगी। इसके अतिरिक्त लगभग 1.5 एकड़ की भूमि चारा उत्पादन हेतु स्वयं की अथवा पैतृक ध्साझेदारी अथवा न्यूनतम 07 वर्षों के लिए पंजीकृत अनुबंध पर भी गयी हो तथा भूमि परियोजना के अनुकूल (जलभराव इत्यादि से मुक्त हो। पूर्व में संचालित कामधेनु अथवा मिनी कामधेनु अथवा माइको कामधेनु योजना के लाभार्थियों को इस योजना का लाभ नहीं दिया जा सकेगा।

पौधों की जियो टैगिंग करने में शिक्षक कर रहे अनदेखी

कानपुर देहात (यूएनएस)। हर साल करोड़ों रुपए की लागत से स्कूलों में पौधरोपण किया जाता है। इसके बाद लगाए गए पौधों की स्थिति का पता नही चलता। बाद में रिपोर्ट लग जाती है कि बड़ी संख्या में पौधे देखभाल के अभाव में खराब हो गए। इससे पैसा और मेहनत सब व्यर्थ जाता है और साथ में पर्यावरण के संरक्षण का उद्देश्य भी पूरा नही हो पाता। ऐसे में अबकी बार संबंधित विभागों को कहा गया है कि वह अपने बजट से पौधरोपण स्थलों की जियो टैगिंग कराएं। ऐसे में उस जगह की लोकेशन ट्रेस करने में आसानी होगी। प्रशासन इन पौधों का थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन कराने पर विचार कर रहा है जिसकी रिपोर्ट सीधे शासन को भेजी जाएगी। इसको लेकर बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धी पाण्डेय जी जान से लगी हुई हैं। इस कार्य में ढिलाई बरतना प्रधानाध्यापकों को भारी पड़ सकता है। बीएसए ने जियो टैगिंग न करने वाले प्रधानाध्यापकों को अंतिम चेतावनी जारी की है इसके बाद सभी का वेतन रोक दिया जाएगा। जनपद में 10 विकासखंड है जिनमें से मैंथा, डेरापुर, रसूलाबाद और संदलपुर विकासखंड के शिक्षकों ने शत प्रतिशत पौधों की जियो टैगिंग कर दी है जबकि अगड़ें ब्लॉक कहे जाने वाले अकबरपुर, सरवनखेड़ा, अमरौधा, इस कार्य में पिछड़े हुए हैं। मलासा, राजपुर, झींझक विकासखंड भी इस कार्य में पिछड़े हुए हैं। अभी तक अकबरपुर में 1640, सरवनखेड़ा में 1778, अमरौधा में 2746, मलासा में 1070, राजपुर में 1434, झीझक में 2661 पौधों की अभी तक जियो टैगिंग नहीं की गई है।

बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा बार-बार आदेशित करने के बाद भी शिक्षकों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धी पाण्डेय ने ऐसे शिक्षकों को अंतिम चेतावनी जारी की है तीन दिवस के अंदर अगर सभी पौधों की जिओ टैगिंग नहीं की जाती है तो संबंधित प्रधानाध्यापकों का वेतन रोक दिया जाएगा इसके लिए वे स्वयं उत्तरदाई होंगे।

सपा पदाधिकारियों ने 2024 लोक सभा चुनाव की तैयारी हेतु की बैठक

पुखरायां कानपुर देहात (यूएनएस)। कस्बे में समाजवादी पार्टी की भोगनीपुर विधानसभा की बैठक आयोजित हुयी जिसमें में मुख्यरूप से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी,विधानसभा के पदाधिकारी,ब्लॉक अध्यक्ष, जोन प्रभारी,सेक्टर प्रभारी, सह सेक्टर प्रभारी मौजूद रहे और आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अरुण कुमार बब्लू राजा ने की कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष इ0रामअवतार यादव ने किया। जिसमें सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों का विधानसभा अध्यक्ष राघव अग्निहोत्री व विधानसभा महासचिव मंजय यादव द्वारा और आये हुये सभी सेक्टर प्रभारियों और अन्य पदाधिकारियों का स्वागत उर्इ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी महेंद कठेरिया द्वारा फूलमाला व गमछा पहनाकर भव्य स्वागत किया।

हर बूथ पर वोट बढ़ाने का लक्ष्य भी बनाया गया और कार्यक्रम में नवनियुक्त विधानसभा और ब्लाक के पदाधिकारियो को मनोनयन पत्र भी देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर मुख्यरूप से समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार बब्लू राजा ,प्रदेश सचिव पूर्व जिलाध्यक्ष लाखन सिंह यादव,पूर्व मंत्री भगवती प्रसाद सागर, भोगनीपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी नरेंद्र पाल सिंह मनु बाबू, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरसेन यादव, जिला महासचिव पवन कटियार, जिला उपाध्यक्ष अकरम कुरैशी, महिला सभा की पूर्व जिलाध्यक्ष नसरीन अख्तर, वरिष्ठ सपा नेता हाजी अकील खाँ,जिला उपाध्यक्ष इ0रामअवतार यादव, विधानसभा अध्यक्ष राघव अग्निहोत्री, युवजन सभा के प्रदेश सचिव हिमांशु यादव, युवजन सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष काशिफ खान,जोन प्रभारी जिला पंचायत सदस्य रामनरायण कठेरिया, वीर सिंह गुड्डू, उवेश दीवान,पवन यदुवंशी, अरविंद सिंह कल्लू, शोभित सोनकर, ब्लॉक अध्यक्ष सरवनखेड़ा विजय बहादुर सिंह चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष मलासा महावीर सिंह धीरज संखवार, नगर अध्यक्ष मूसानगर सतेंद्र पाल, विधानसभा उपाध्यक्ष डाक बाबू यादव, विधानसभा सचिव विजय शर्मा जीतू पंडित, अंकित सिंह चौहान कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

अजय राय ने यूपी मीडिया टीम का किया ऐलान

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनने के 10 दिन बाद पहला फैसला

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए अध्यक्ष अजय राय ने मीडिया टीम का ऐलान किया है। रविवार को मीडिया टीम के ऐलान करते हुए अजय राय ने सपा से कांग्रेस में शामिल हुए डॉ. सीपी राय को प्रवक्ता बनाया है। पूर्व सांसद पीएल पुनिया के बेटे तनुज पुनिया को भी प्रवक्ता बनाया है। 17 अगस्त को अजय राय के यूपी कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने का राष्ट्रीय टीम ने ऐलान किया था।

प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के 10 दिन बाद अजय राय ने मीडिया टीम का ऐलान कर दिया है। 15 प्रवक्ता, 17 पैनलिस्ट टीम में शामिल उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने मीडिया पैनलिस्ट में पूर्व के टीम में से कई लोगों को हटा दिया है। प्रवक्ताओं की टीम में 15 सदस्य शामिल हैं। प्रवक्ताओं में मुलायम सिंह के करीबी रहे डॉक्टर सीपी राय को कांग्रेस ने प्रवक्ता बनाया है। डॉक्टर अमरनाथ पासवान, पुनीत पाठक, प्रोफेसर हिलाल अहमद नकवी, संजीव कुमार सिंह, अनिल यादव नोएडा, कुंवर सिंह निषाद, डॉ राहुल राजभर, डॉक्टर मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, उमाशंकर पांडे, अंशु अवस्थी, डॉक्टर अलीमुल्ला खान, प्रियंका गुप्ता, सुशील पासी, तनुज पुनिया को प्रवक्ता बनाया गया है। 17 पैनलिस्ट की सूची में डॉ. कुलभूषण त्रिपाठी, रफ्त फातिमा, अभिमन्यु त्यागी, आस्था तिवारी, डॉक्टर सुधा मिश्रा, डॉक्टर अन्नू प्रसाद पासवान, सूची विश्वास, प्रदीप सिंह, डॉक्टर सुधांशु बाजपेई, तमजीद अहमद, प्रेम नारायण पाल, सलमान इम्तियाज अंसारी, डॉक्टर राजकुमार मौर्य , सचिन रावत, गौरव जैन, रोहन सिंह, शैलेंद्र सिंह के नाम शामिल हैं।

एमपी की लाडली बहनों को अब हर महीने मिलेंगे 1250 रुपये!

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहनों के लिए रक्षाबंधन से पहले एक बड़ा ऐलान किया है। सीएम ने प्रदेश की 1.25 करोड़ लाडली बहनों को लाडली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशी 1 हजार से बढ़ाकर 1250 रुपए कर दी गई है। प्रदेश की लाडली बहनों को यह बढ़ी हुई यह राशि अक्टूबर माह से मिलने लगेगी। इस दौरान उन्होंने एक करोड़ से अधिक लाडली बहनों के खाते में ढाई सौ रुपए रक्षाबंधन के गिफ्ट के तौर पर दिए। इसके अलावा भोपाल के जंबूरी मैदान में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने और भी कई बड़े ऐलान किए। उन्होंने प्रदेश की लाड़ली बहनों के हित में आवश्यक सुविधाओं की जानकारी दी। बता दें कि लाडली बहना योजना शिवराज सरकार की महत्वकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत बीते दो महीने से प्रदेश की सवा करोड़ लाडली बहनों को एक-एक हजार रुपए की राशि खाते में प्रदान की जा रही थी।

योजना की सफलता और लाडली बहनों के बढ़ते प्यार को देखते हुए सीएम शिवराज सिंह चौहान ने इस योजना में बदलाव किया है और अब 21 से 22 साल के बीच की लाडली बहनों को भी योजना अंतर्गत राशि दी जाएगी।

21 से 22 साल के आयु वर्ग की महिलाओं को इस योजना में शामिल करने के बाद, प्रदेश में लाडली बहना योजना के लाभार्थियों की संख्या 1 करोड़ 29 तक पहुंच गई है। बीते दिनों सीएम शिवराज ने घोषणा की थी कि 27 अगस्त को वे अपनी लाडली बहनों को राखी का उपहार देंगे। सीएम शिवराज की घोषणा के अनुरुप ही राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान पर लाडली बहना सम्मेलन का आयोजन किया गया है। शिवराज सरकार की यह योजना महिला जगत में एक नई आशा लेकर आई। अब लाडली बहना योजना के लाभार्थियों की संख्या में और इजाफा हो गया है। समय समय पर सीएम शिवराज सिंह ने इस योजना में कई बदलाव किए। पहले प्रदेश की सवा लाख लाडली बहनों को एक हजार रुपए का लाभ मिल रहा था, अब प्रदेश में प्रदेश के 1 करोड़ 29 लाख 77 हजार 199 महिलाओं को लाडली बहना योजना का लाभ मिलेगा। सीएम शिवराज ने योजना के लिए पात्रता की आयु सीमा को 23 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष कर दिया है। इसके अलावा ऐसी महिलाएं जिनके परिवार में ट्रैक्टर है, वे भी योजना का लाभ देने का फैसला किया गया है।

पूर्व डिप्टी सीएम डा दिनेश शर्मा करेंगे उद्घाटन

लखनऊ (यूएनएस)। ढलाई घर डालीगंज स्थित श्री भोलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्रावण मास के आठवें सोमवार को शाम 6.30 बजे भगवान भोलेनाथ का भव्य रंगीन बर्फसे श्रृंगार किया जाएगा। मंदिर समिति के अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि मंदिर के 50वां वार्षिक उत्सव के अवसर पर भगवान शिव की मनोरम झांकी सजाई जा रही है। इस मौके पर भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा। अवधेश कुमार अग्रवाल, जितेन्द्र बंसल ने बताया कि मंदिर परिसर में 10 फीट ऊंचे शिवलिंग व उसके आसपास बाबा अमरनाथ की गुफा बनाई जाएगी। बाहर पहाड़ जैसा ऊंचा पर्वत का रूप दिया जाएगा। मन्दिर के पुजारी पंडित अरविंद ने बताया कि झांकी का उद्घाटन पूर्व डिप्टी सीएम डॉ दिनेश शर्मा जी शाम 7 बजे करेंगे।

घोसी में घमासान, कल अखिलेश भरेंगे चुनावी हुंकार

लखनऊ (यूएनएस)। घोसी उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी तैयार है। घोसी उपचुनाव की बाजी को जीतने के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों को कमान देते हुए चुनावी मैदान में उतरने के लिए कह दिया है।अखिलेश यादव घोसी में चुनाव प्रचार करेंगे। 29 अगस्त को घोसी में अखिलेश की जनसभा होगी।अब घोसी के चुनावी बयार में प्रचार करने के लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद उतरेंगे। लोकसभा चुनाव को लेकर लखनऊ में सपा कार्यालय में हुए बैठक में नेताओं और कार्यकर्ताओं से अखिलेश मिले। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिशा निर्देश दिए।लोकसभा चुनाव को लेकर जीत के मंत्र दिए है।

नाका गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का कैंप जारी

लखनऊ (यूएनएस)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का कैंप ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला में जारी भारी भीड़ पहुंच रही है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का कैंप श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला में रविवार को भी जारी रहा, भारी संख्या में लोन करवाने के लिए लोग गुरुद्वारा साहिब में पहुंच रहें हैं। यह जानकारी देते हुए अध्यक्ष राजेंद्र सिंह बग्गा ने बताया कि छह दिवसीय यह कैंप गरीबों, निर्धनों और असहाय व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार द्वारा उठाया गया कदम है। जिसमें ₹10000 तक बैंक द्वारा लोन दिया जा रहा है ताकि बेरोजगार लोग स्वरोजगार के माध्यम से सम्मान पूर्वक अपना जीवन यापन कर सकें। नाका हिंडोला व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतपाल सिंह मीत ने बताया कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लिए कैंप नाका हिंडोला व्यापार मंडल द्वारा ऐतिहासिक गुरुद्वारा नाका हिंडोला में लगाया गया है जो पहले रविवार तक चलना था लेकिन लोगों के उत्साह और भारी भीड़ को देखते हुए 30 अगस्त चलेगा। इस योजना के अंतर्गत बिना ब्याज और बिना गारंटी के लोन उपलब्ध होता है। गुरुद्वारा नाका हिंडोला में लोन के लिए आने वाले आगंतुकों को व्यवस्थित करने की सेवा हरमिंदर सिंह टीटू महामंत्री इंद्रजीत सिंह अध्यक्ष बांसमंडी व्यापार मंडल के साथ कर रहे हैं ताकि व्यवस्थित ढंग से कैंप चल सकें और सभी लोगों को जो लोन लेने आ रहे हैं लोन मिल सके। लोन लेने के लिए काफी संख्या में महिलाएं भी गुरुद्वारा साहब पहुंच रही हैं।

लुलु हाइपरमार्केट में पूकलम प्रतियोगिता

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में लुलु हाइपरमार्केट में एक जीवंत और उत्सव का माहौल देखा गया क्योंकि इसने केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हुए ओणम के शुभ अवसर पर पुकलम प्रतियोगिता की मेजबानी की। यह आयोजन 27 अगस्त, 2023 को हुआ और इसमें कुल 13 उत्साही टीमों ने भाग लिया।

केरल की पारंपरिक पुष्प कला शैली पुक्कलम ने प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक भावना दिखाने के लिए एक साथ लाया। प्रत्येक टीम ने हाइपरमार्केट के फर्श पर आकर्षक पैटर्न बनाते हुए, जीवंत फूलों की एक श्रृंखला का उपयोग करके आश्चर्यजनक और जटिल डिजाइन तैयार किए। इस कार्यक्रम ने न केवल प्रतिभागियों की कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित किया बल्कि समुदाय को एकता और विविधता के उत्सव में एक साथ लाया। प्रतियोगिता में कड़ा मुकाबला था, जिसमें प्रत्येक टीम ने अपने डिजाइनों में असाधारण रचनात्मकता और कौशल का प्रदर्शन किया। निर्णायकों के एक पैनल द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन के बाद विजेताओं का चयन किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को उनके उत्कृष्ट पुकलम डिजाइन की मान्यता में एक खूबसूरती से तैयार किया गया मोमेंटो प्राप्त हुआ। इसके अलावा, उन्हें लुलु उपहार कार्ड से भी सम्मानित किया गया, जिससे उन्हें हाइपरमार्केट में एक यादगार खरीदारी अनुभव का आनंद लेने का मौका मिला।

3 आईएएस अफसरों का हुआ तबादला

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने रविवार को तीन सीनियर आईएएस अफसरों का ट्रांसफर कर दिया। लंबे समय से राज्य निर्वाचन आयोग में तैनात अजय कुमार शुक्ला को नगर विकास का सचिव बनाया गया है। उनके स्थान पर नवदीप रिणवा को मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश का बनाया गया। नगर विकास में सचिव रहे रविंद्र कुमार को अलीगढ़ का कमिश्नर बनाया गया है। सरकार के द्वारा शुक्रवार को यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी बदले जाने की सूचना जारी की गई थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला के नगर विकास का सचिव बनाया गया है। लंबे समय से अजय कुमार शुक्ला उत्तर प्रदेश के राज्य निर्वाचन अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। यूपी के नए मुख्य निर्वाचन अधिकारी 1999 बैच के आईएएस अफसर नवदीप रिणवा होंगे। 2024 के चुनाव से पहले की गई ये तैनाती काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश सबसे बड़ा राज्य है और यहां पर लोकसभा की 80 सीटें है। नवदीप लखनऊ से दिल्ली तक कई बड़े पदों पर रह चुके हैं। फिलहाल वो अलीगढ़ के मंडलायुक्त हैं। केन्द्र से अधिसूचना जारी होने के बाद मौजूदा मुख्य चुनाव अधिकारी अजय कुमार शुक्ला की जगह लेंगे। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उनकी नियुक्ति के संबंध में गुरुवार को नोटिस जारी कर दिया गया है।

भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) संगठन में अनिश्चितकालीन धरना/प्रदर्शन का किया ऐलान

लखनऊ। जनपद के वृंदावन योजना के अंतर्गत आने वाले गांव बरौली खलीलाबाद में बने किसानों के पुश्तैनी मकानों को आवास विकास परिषद द्वारा अवैध बताकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है। जबकि सन 2011 में भारतीय किसान यूनियन संगठन के प्रदेश अध्यक्ष हरिनाम सिंह वर्मा व आवास विकास परिषद के अधिकारियों द्वारा 218 वीं बोर्ड बैठक में यह तय हुआ था कि वर्ष 2002 के पूर्व के बने मकानों को परिषद द्वारा समायोजित किए जाएंगे लेकिन इस निर्णय को अनदेखा कर गरीब किसान मजदूर के बने पुश्तैनी मकानों को परिषद के अधिकारियों द्वारा बलपूर्वक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जा रही है।

उपरोक्त गांव में बीते 23 अगस्त को विजय दीक्षित पत्नी नन्हे दीक्षित के मकान पर भारी मात्रा में पुलिस बल ले जाकर 40 वर्ष पूर्व बने मकान को गिराने की कोशिश की गई जिसमें मकान के कुछ हिस्से को गिराया भी गया जिसमें मकान मालिक द्वारा बचाओ करने की कोशिश में बेहोश होकर गिर पड़ी तब जाकर मौके से फोर्स को वापस होना पड़ा जिसको लेकर आज भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) संगठन के द्वारा बैठक की गई जिसमें यह निर्णय लिया गया है जब तक किसानों के बने मकानों को परिषद के द्वारा समायोजित नहीं किया जाता तब तक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन चलता रहेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित-मंडल अध्यक्ष अनार सिंह (अन्नु), वरिष्ठ किसान नेता राजेश सिंह, मंडल उपाध्यक्ष विनीत यादव ,जिला अध्यक्ष राजेश रावत, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सरवन यादव, जिला सचिव मदनलाल लोधी, जिला प्रचार मंत्री राजा मोहम्मद, जिला मीडिया प्रभारी करन गुप्ता (बीरू), तहसील अध्यक्ष बद्री प्रसाद रावत, ब्लॉक अध्यक्ष मेवा लाल प्रजापति, ब्लॉक उपाध्यक्ष हनुमान प्रधान, ब्लॉक सचिव शिवकुमार, सुरेश पाल, जीतू पाल, सुरेंद्र यादव, किसान नेता रामसागर रावत, बहादुर गुप्ता, ललित द्विवेदी, गोपाल कश्यप, कुलदीप गुप्ता युवा किसान नेता वीरपाल लोधी, कुलदीप राजपूत आदि सैकड़ो की संख्या में किसान व महिलाएं उपस्थित रहे।

लखनऊ की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंस को प्रदान किया गया स्मृति चिन्ह

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंसेज, लखनऊ (एस.एम.एस.) को हाल ही में शैक्षणिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को पूरा करने के लिये राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा A+ ग्रेड प्रदान किया गया है ।

इस उपलब्धि के लिये उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल द्वारा दिनांक 23 अगस्त, 2023 को राज भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में संस्थान के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शरद सिंह, निदेशक प्रो0 मनोज मेहरोत्रा एवं नैक टीम के अन्य सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया तथा यह अपेक्षा की गयी की भविष्य में इसी तहर से अच्छे कार्य करते हुए संस्थान को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर एक पहचान बनायें। कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, राज्यपाल - डॉ0 सुधीर म0 बोबडे एवं डॉ0 जे0पी0 पाण्डेय, कुलपति, ए0के0टी0यू0 के अतिरिक्त अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षकों के आंदोलन को संयुक्त युवा मोर्चा का समर्थन

लखनऊ (यूएनएस)। संयुक्त युवा मोर्चा केंद्रीय टीम सदस्य राजेश सचान ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ट्वीट कर शिक्षा सेवा चयन आयोग विधेयक में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम 1982 की धारा 21 को शामिल करने की मांग की है। इसमें यह प्रावधान किया गया है कि प्रबंधतंत्र द्वारा शिक्षकों के विरुद्ध किसी तरह की कार्रवाई के लिए चयन बोर्ड का अनुमोदन आवश्यक है। शिक्षकों के आंदोलन का समर्थन करते हुए कहा कि इससे प्रबंधतंत्र का अनावश्यक हस्तक्षेप व शिक्षकों का उत्पीड़न बढ़ेगा जिससे पठन पाठन प्रभावित होगा।

इस मुद्दे पर शिक्षकों के आंदोलन के मद्देनजर नये शिक्षा आयोग के गठन में हो रही देरी पर संयुक्त युवा मोर्चा ने सरकार से मांग की कि शिक्षकों की सुरक्षा संबंधी पूर्व व्यवस्था के लिए विधेयक संशोधन में वक्त लग सकता है ऐसे में लंबित भर्तियों और प्रस्तावित विज्ञापन जारी करने में और देरी से बचने के लिए मौजूदा चयन संस्थाओं से ही लंबित भर्तियों को जल्द से जल्द पूरा किया जाए और शिक्षक भर्ती का विज्ञापन व टीजीटी पीजीटी में सभी रिक्त पदों को शामिल किया जाए। इन मुद्दों को 5 सितंबर पत्थर गिरजाघर से रोजगार के सवाल पर शुरू हो रहे प्रदेशव्यापी संवाद और संपर्क अभियान में पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा।

अफसरों को 31 दिसंबर तक देना होगा संपत्ति का ब्यौरा

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के काम में शुचिता, पारदर्शिता और जवाबदेही तय की है। मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से सरकार ने अधिकारियों व कर्मचारियों की गतिविधियों को ऑनलाइन कर दिया है। नियुक्ति से लेकर अवकाश प्रबंधन तक और स्थानांतरण से लेकर सेवानिवृत्ति तक का विवरण पोर्टल पर ऑनलाइन करने की व्यवस्था है। सरकार ने अधिकारियों व कर्मचारियों को दिसंबर 2023 तक चल-अचल संपत्ति की घोषणा पोर्टल पर करने का निर्देश दिया है। निर्धारित समय में ऐसा नहीं करने वालों पर न सिर्फ एक्शन लिया जाएगा बल्कि उनका प्रमोशन भी रोक दिया जाएगा। मानव संपदा पोर्टल में इन गतिविधियों के संचालन से सरकार ने प्रदेश के सभी 74 विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को तमाम सुविधाएं देते हुए उनके कामकाज में पारदर्शिता लाने का प्रयास किया है जबकि सरकार और जनता के प्रति जवाबदेही निर्धारित कर दी गई है। प्रत्येक 5 वर्ष में चल एवं अचल संपत्ति के विवरण को अपडेट भी करना होगा।योगी सरकार ने हाल ही में आदेश जारी कर प्रदेश के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया है।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा राज तरुण ऑफसेट, एल.जी.एफ. 4-5, अंसल सिटी सेन्टर, निकट यू. पी. प्रेस क्लब, हज़रतगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा 499/1, विनय विहार कालोनी, इन्दिरा नगर, निकट-बी.आर. इंटरनेशनल स्कूल, पो. सीमैप, लखनऊ-226015 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।